5. उपसर्ग और प्रत्यय

भाषा के लिए शब्द बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। शब्दों के माध्यम से भाषा पुष्ट और समृद्ध बनती है। हिंदी भाषा में नए-नए शब्दों की रचना होती रहती है। शब्द-रचना की इस प्रक्रिया में कुछ शब्दांशों को किसी शब्द के आरंभ या अंत में जोड़कर नए शब्दों की रचना की जाती है। आरंभ में जुड़ने वाले शब्दांश उपसर्ग तथा अंत में जुड़ने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से पूछें, वे उपसर्ग और प्रत्यय के बारे में कितना जानते हैं।
- समझाएँ, कुछ शब्दांश शब्दों के आगे जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं, उन शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं। बताएँ, प्रत्येक उपसर्ग का अर्थ होता है।
- कुछ शब्दांश शब्दों के पीछे जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। बताएँ, प्रत्ययों का कोई अर्थ नहीं होता।
- पृष्ठ 29-34 पर दिए उपसर्ग और प्रत्यय युक्त शब्दों को पढ़वाएँ तथा उपसर्ग-प्रत्यय युक्त शब्दों के अर्थ भी बताएँ।
- उपसर्ग तथा प्रत्यय के भेदों को भी विस्तारपूर्वक समझाएँ।
- बताएँ, कुछ शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग होता है।
- सुनिश्चित कर लें छात्र भली प्रकार उपसर्ग-प्रत्यय समझ गए हैं।
- अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।